5.1.4 Regarding Organization wide awareness and undertakings on policies with Zero tolerance.

---

[1] ICC organized One Day Workshop on "Awareness Programme on Gender Sensitivity" for Conveners/ Members of ICC working in Affiliated Colleges/ Institutions, University Teachers and Research Scholars of the University held on March 22, 2022

ONE DAY WORKSHOP

---

[2] Workshop Lecture 2021

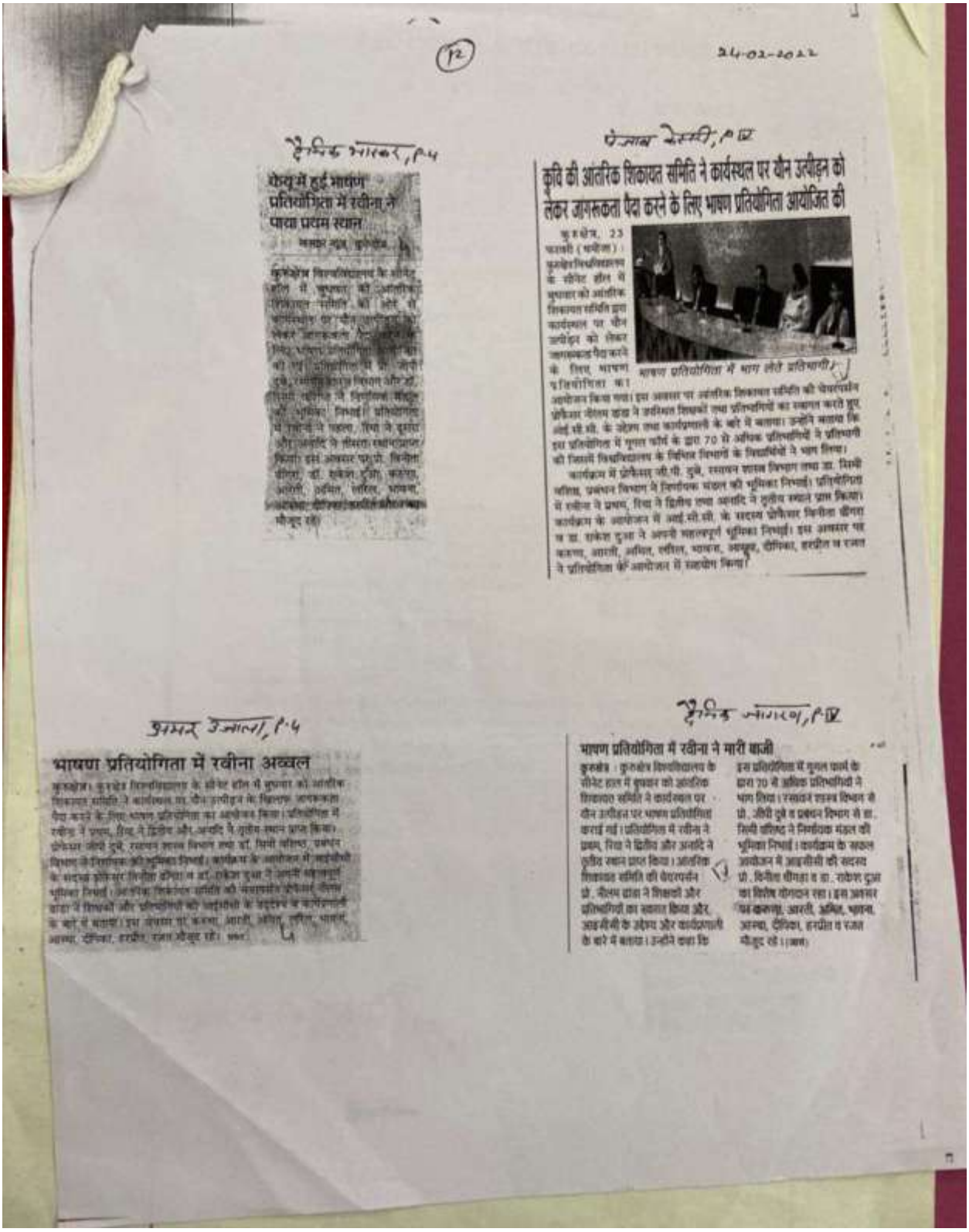

(12)

24-02-2022

दैनिक भास्कर, P.4

केयू में हुई भाषण प्रतियोगिता में रवीना ने पाया प्रथम स्थान

पंजाब केसरी, P.IV

कुवि की आंतरिक शिकायत समिति ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की

भाषण प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

कुरुक्षेत्र, 23 फरवरी (भारद्वाज): कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में बुधवार को आंतरिक शिकायत समिति द्वारा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आंतरिक शिकायत समिति की चेयरपर्सन प्रोफैसर नीलम ढांडा ने उपस्थित शिक्षकों तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आई.सी.सी. के उद्देश्य तथा कार्यप्रणाली के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में गूगल फॉर्म के द्वारा 70 से अधिक प्रतिभागियों ने ... की जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रोफैसर जी.पी. दुबे, रसायन शास्त्र विभाग तथा डा. सिम्मी वशिष्ठ, प्रबंधन विभाग ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में रवीना ने प्रथम, दिया ने द्वितीय तथा अनादि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजन में आई.सी.सी. के सदस्य प्रोफैसर विनीता धींगड़ा व डा. राकेश दुआ ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर करुणा, आरती, अमित, सचिन, भावना, आयुष, दीपिका, हरप्रीत व रजत ने प्रतियोगिता के आयोजन में सहयोग किया।

अमर उजाला, P.4

भाषण प्रतियोगिता में रवीना अव्वल

दैनिक जागरण, P.IV

भाषण प्रतियोगिता में रवीना ने मारी बाजी

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सीनेट हाल में बुधवार को आंतरिक शिकायत समिति ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर भाषण प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में रवीना ने प्रथम, दिया ने द्वितीय और अनादि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आंतरिक शिकायत समिति की चेयरपर्सन प्रो. नीलम ढांडा ने शिक्षकों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और आइसीसी के उद्देश्य और कार्यप्रणाली के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में गूगल फार्म के द्वारा 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। रसायन शास्त्र विभाग से प्रो. जीपी दुबे व प्रबंधन विभाग से डा. सिम्मी वशिष्ठ ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आइसीसी की सदस्य प्रो. विनीता धींगड़ा व डा. राकेश दुआ का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर करुणा, आरती, अमित, भावना, आस्था, दीपिका, हरप्रीत व रजत मौजूद रहे। (जासं)

(no subject)
1 message

NEELAM RANI DHANDA <ndhanda@kuk.ac.in>
To: icc@kuk.ac.in

ICC KUK <icc@kuk.ac.i

Wed, Mar 17, 2021 at 11:0

लिंग संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम विषय पर हुई कार्यशाला

महिलाओं को उत्पीड़न से मुक्त करने को केयू में है आंतरिक शिकायत कमेटी : प्रो. सचदेवा

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति की ओर से मंगलवार को लिंग संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व मुख्य वक्ता डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजुला चौधरी रही। प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि केयू हमेशा से महिलाओं की सुरक्षा व हितों के लिए प्रतिबद्ध है। केयू की कार्यकारिणी में यौन उत्पीड़न के खिलाफ कार्यकारी परिषद द्वारा एक विशेष नीति अनुमोदित है। विश्वविद्यालय समुदाय के सभी सदस्य, जिनमें अस्थाई या अल्पकालिक पद शामिल हैं, इस नीति के अधीन हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को यौन उत्पीड़न, धमकी या शोषण से मुक्त करने के लिए ही विश्वविद्यालय में आंतरिक शिकायत कमेटी बनाई है। उन्होंने कहा कि माता-पिता का यह कर्तव्य है कि वो अपने बच्चों को इस बारे में जागरूक करें व समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्व को समझें। विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में अधिकतर छात्राएं हैं और हम उनको सुरक्षित कैंपस उपलब्ध करवाने के लिए संकल्पित है।

कुरुक्षेत्र | आंतरिक शिकायत कमेटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केयू कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा।

मुख्य वक्ता डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. मंजुला चौधरी ने कहा कि यौन उत्पीड़न की रोकथाम के बारे में छात्रों और कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए आईसीसी की ओर से कई कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष प्रो. नीलम ढांडा ने मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता का स्वागत किया। इस मौके पर पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के महिला अध्ययन केंद्र की डॉ. रितु, डीन फैकल्टी ऑफ लॉ प्रो. सुनील यादव, प्रो. सरस्वती सेतिया, प्रो. सुदेश, डॉ. मुकेश कादियान, डॉ. रंजना, कुटा प्रधान डॉ. परमेश कुमार, सचिव डॉ. विवेक गौड़, लोकसंपर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. दीपक राव बब्बर, डॉ. सुमन ढांडा, डॉ. संगीता सेठी, डॉ. सुशील चौहान, डॉ. हुकम सिंह, डॉ. जितेंद्र खटकड़, डॉ. गुरचरण सिंह और डॉ. हरविंदर सिंह मौजूद रहे।

...मता निर्माण के लिए वर्कशॉप का आयोजन

यौन उत्पीड़न पर बनी आंतरिक शिकायत कमेटी सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण पर कार्यशाला

केयू में यौन उत्पीड़न शिकायत कमेटी की वर्कशॉप

[**3] Webinar on Women Safety 2020**

Webinar on 15 Jun 2020
(Women Safety in current Scenario) (40)

महिला सुरक्षा को लेकर सभी को जागरूक होना जरूरी

[illegible]

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर युवाओं को जागरूक करना जरूरी : दीपेश

[illegible]

महिला सुरक्षा के मुद्दों पर वेबिनार आयोजित

[illegible]

WEBINAR ON WOMEN'S SAFETY

Kurukshetra: Internal Complaints Committee (against sexual harassment of women at workplace), Kurukshetra University here organised a webinar on "Women safety in current scenario" with an aim to sensitise students towards women safety. Among the resource persons were, Dipesh Tank from TEDx Mumbai, Josh speaker on women's issues and founder of NGO "Youth for People and War against Railway Rowdies". Dr Vanita Dhingra, member of the committee, apprised about the functioning of the committee and conducting awareness programmes besides dealing with complaints of sexual harassment. Prof Anita Yadav, Chairperson of the committee, threw light on how he established the NGO and his campaign of war against Railway Rowdies, which led to arrest of around 190 sexual harassers in Mumbai local trains. Tank talked about importance of sensitisation of men especially youngsters towards the issue of women safety. He shared his practical experience in his campaign of war against Railway Rowdies.

[4] Workshop Lecture of ICC 2019

6.11.2019

कुविवि में प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण के लिए कार्यशाला

महिला यौन उत्पीड़न अधिनियम पर डाला प्रकाश

6.11.19

हरिभूमि न्यूज ›› कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र की कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर बनी आंतरिक शिकायत कमेटी (आईसीसी) ने अपने सदस्यों के प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण के लिए मंगलवार को कार्यशाला आयोजित की।

इस कार्यशाला की रिसोर्स पर्सन डॉ. मीनू, जनरल सेक्रेटरी, पंचकूला ने इसे दो सत्रों में प्रस्तुत किया। यह संस्था आईसीसी को वैधानिक तथा तकनीकी प्रशिक्षण करवाने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। आईसीसी की अध्यक्षा प्रो. अनिता यादव ने डॉ. मीनू का स्वागत किया।

कुरुक्षेत्र। वर्कशॉप में मौजूद अतिथि व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

आईसीसी की संरचना के बारे में बताया। डॉ. मीनू ने इस वर्कशॉप के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की आईसीसी की संरचना तथा कार्यप्रणाली के बारे में बताया। रिसोर्स पर्सन डॉ. मीनू ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 के सभी अनुभागों का विस्तार से वर्णन किया।

सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

उन्होंने विभिन्न व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से सदस्यों को प्रशिक्षित किया। आईसीसी के सदस्यों ने अधिनियम से संबंधित अपनी शंकाओं का निवारण किया। उन्होंने महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में होने वाले विभिन्न प्रकार के यौन उत्पीड़न के बारे में बताया। डॉ. मीनू ने सेक्सुअल हरासमेंट तथा सेक्सुअल असॉल्ट के बीच भेद भी बताया। उन्होंने कई विषयों जैसे शिकायत दाखिल करना, इन्क्वायरी की प्रक्रिया, समझौता, आईसीसी की शक्तियां, दायित्व, वार्षिक रिपोर्ट बनाना आदि पर व्याख्यान दिया। इस वर्कशॉप को आईसीसी के सदस्यों प्रो. एसएस बूरा, प्रो. एसके वशिष्ठ, डॉ. वनिता ढींगरा, डॉ. ओमवीर प्रकाश, सिमी कालड़ा, कुमारी किरण तथा विद्यार्थियों ने अटेंड किया। आईसीसी सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सदस्य प्रो. अनुरेखा शर्मा, डॉ. राजन गुप्ता, डॉ. वंदना तथा रिसर्च स्कॉलर कुमारी दीक्षा, कुमारी भारती तथा कुमारी नेहा ने भी वर्कशॉप में भाग लिया। अंत में प्रो. बूरा ने मुख्य वक्ता को सम्मानित किया तथा डॉ. वनिता ढींगरा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हरिभूमि

केयू में यौन उत्पीड़न शिकायत कमेटी की वर्कशॉप

कुरुक्षेत्र | कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए बनी आंतरिक शिकायत कमेटी (आईसीसी) ने अपने सदस्यों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए मंगलवार को वर्कशॉप आयोजित की। इस वर्कशॉप की रिसोर्स पर्सन डॉ. मीनू ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 के सभी अनुभागों के बारे में बताया। उन्होंने विभिन्न व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से सदस्यों को प्रशिक्षित किया। डॉ. मीनू ने सैक्सुअल हरासमेंट और सेक्सुअल असॉल्ट के बीच अंतर के बारे में भी बताया। उन्होंने कई विषयों जैसे शिकायत दाखिल करना, जांच की प्रक्रिया, समझौता, आईसीसी की शक्तियां, कर्तव्य और वार्षिक रिपोर्ट बनाने पर व्याख्यान दिया। वर्कशॉप में आईसीसी के सदस्यों प्रो. एसएस बूरा, प्रो. एसके वशिष्ठ, डॉ. वनिता ढींगरा, डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, पिंकी कालड़ा, किरण और विक्रम ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर आईसीसी की अध्यक्षा प्रो. अनिता यादव, ... शर्मा, डॉ. रंजन गुप्ता, डॉ. वंदना, वीना, भारती और नेहा मौजूद रही।

[5] ICC Lecture On Awareness Against Sexual Harassment of Women at Workplace (2018)

जागरूकता वार्ता में संबोधित करते हुए एडवोकेट दिव्या चुघ (दायें) • पीआरओ

कोई भी परेशानी होने पर उठाएं आवाज : चुघ

जास, कुरुक्षेत्र : एडवोकेट दिव्या चुघ ने कहा कि कार्यस्थल पर किसी भी तरह की परेशानी होने पर महिलाओं को आवाज उठानी चाहिए। महिलाओं की जागरूकता से ही यौन उत्पीड़न के मामले थम सकते है। वह मंगलवार को आइआइएचएस में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) की ओर से कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 पर आयोजित जागरूकता वार्ता में संबोधित कर रही थी। बायोकेमेस्ट्री विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनिता दुआ ने उनका स्वागत किया। इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिड एंड ऑनर्स स्टडीज (आईआईएचएस) की चेयरपर्सन प्रो. अनिता ने कहा कि कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना है। उन्होंने आईसीसी की कंपोजीशन, पॉलिसी का दायरा, शिकायत के तरीका उपलब्ध मानदंडों पर प्रकाश डाला।